तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को गांधी मंडेला पुरस्कार (Gandhi Mandela Award) 2022

हाल ही में तिब्बती आध्यात्मिक नेता 14 वें दलाई लामा (Dalai Lama) को हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर द्वारा धर्मशाला के मैक्लोडगंज में थेकचेन छोएलिंग में गांधी मंडेला पुरस्कार 2022 (Gandhi Mandela Award 2022) से सम्मानित किया गया हैं।

तिब्बतियों के सर्वोच्च धर्मगुरु 14वें दलाईलामा को गांधी मंडेला अवॉर्ड (Gandhi Mandela Award) 2022 से सम्मानित किया गया है। यह अवॉर्ड गांधी मंडेला फाउंडेशन तरफ से दिया जाता है, जो कि स्वतंत्रता और मानवाधिकारों को बढ़ावा देता है। हिमाचल प्रदेश के मैक्लॉडगंज में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर द्वारा दलाईलामा को यह शांति पुरस्कार प्रदान किया गया इस मौके पर दलाईलामा ने कहा, वो दया, एकता और अहिंसा पर जोर देते हैं। करुणा और दया इंसान को शक्ति देती है। आज का समय हो या प्राचीन काल मन की शांति हमेशा से ही महत्वपूर्ण रही है।

गांधी मंडेला अवॉर्ड (Gandhi Mandela Award) और फाउंडेशन

- यह एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला की विरासत को आगे बढ़ाने वालों को सम्मानित करने के लिए राष्ट्रपिता गांधी की 150वीं जयंती के साल से गांधी मंडेला अवॉर्ड की शुरुआत की गई थी।
- इस अवॉर्ड का लक्ष्य महात्मा गांधी और दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला के अहिंसावादी विचारों को बढ़ावा देना है।
- यह अवॉर्ड गांधी मंडेला फाउंडेशन की तरफ से दिया जाता है, जो कि स्वतंत्रता और मानवाधिकारों को बढ़ावा देता है।
- गांधी मंडेला फाउंडेशन का मुख्यालय नई दिल्ली में हैं।
- वैश्विक स्तर पर अमेरिका, अफ्रीका, रूस, लंदन, स्विट्जरलैंड, चीन, नेपाल और बांग्लादेश में भी गांधी मंडेला फाउंडेशन के ऑफिस हैं।
- इस संगठन के अध्यक्ष भारत के हिंदू आध्यात्मिक नेता स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज और संरक्षक स्वामी राम देव हैं। इस फाउंडेशन की जूरी समिति में तीन देशों (भारत, नेपाल और बांग्लादेश) के पूर्व मुख्य न्यायाधीश शामिल हैं।
- गांधी मंडेला पुरस्कार शांति, समाज कल्याण, संस्कृति, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देकर गांधी और मंडेला की विरासत को आगे बढ़ाने वाली हस्तियों को दिया जाता है।
- पहले गांधी मंडेला पुरस्कार के लिए दलाई लामा समेत कई शख्सियतों को नामित किया गया था। जिनमें नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली, बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति दिवंगत शेख मुजीबुर्रहमान, भारत के पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी भी शामिल थे।

- गांधी मंडेला पुरस्कार के लिए इस वर्ष, पुरस्कार विजेता दलाई लामा का चयन भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालकृष्णन और न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ज्ञान सुधा मिश्रा, नेपाल के पूर्व मुख्य न्यायाधीश केदारनाथ उपाध्याय और बांग्लादेश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एमडी तफज्जुल इस्लाम सहित एक जूरी द्वारा किया गया हैं।

गांधी मंडेला पुरस्कार (Gandhi Mandela Award): दलाई लामा

- यह पहला मौका नहीं है जब तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को पहली बार ही नहीं शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है बल्कि इससे पहले 1989 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार दिया जा चुका है।
- नोबेल शांति पुरस्कार की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, दलाई लामा ने जो शांति की सोच धारण की है वो मानव जाति और प्रकृति को उनके करीब लाती है।
- तिब्बत के धर्मगुरु और बौध साधुओं को लामा कहते हैं। तिब्बती भाषा में 'लामा' को ब्ला-मा कहा जाता है, जिसका मतलब होता है महान व्यक्ति।
- यह दूसरे धर्मों की तरह लोगों का मार्गदर्शन करने का काम करते हैं। यूं तो बौद्ध भिक्षुओं को भी लामा कहा जाता है, लेकिन इन सभी में सबसे ऊंचा स्थान दलाई लामा का ही होता है।